नईदुनिया

भोपाल, 31 मार्च 2024

रंगभेदी कार्टून साझा कर भारतीय चालक दल का उड़ाया मजाक, यूजर्स ने जमकर लगाई फटकार

वॉशिंगटन।
अमेरिका के बाल्टीमोर में हाल ही में एक कंटेनर शिप (मालवाहक जहाज) के टकराने से फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज ढह गया था। इस हादसे में छह लोगों की जान चली गई थी। जबकि जहाज पर मौजूद भारतीय चालक दल की सक्रियता की वजह से कई जानें बचाई जा सकी थीं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन समेत कई लोग भारतीय दल की तारीफ कर रहे हैं। वहीं, इस घटना को दर्शाने वाले एक रंगभेदी कार्टून ने विवाद खड़ा कर दिया है।

यह है घटना–सिंगापुर के झंडे वाला मालवाहक जहाज डाली श्रीलंका की राजधानी कोलंबो जा रहा था। तभी बाल्टीमोर के फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज से टकरा गया था। कुछ ही सेकंड में लगभग पूरा पुल ढह गया था। अधिकारियों ने बताया था कि पुल ढहकर करीब 50 फीट (15 मीटर) नीचे ठंडे पानी में गिर गया है। हादसा मंगलवार सुबह हुआ था।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि जहाज को बिजली की समस्या का सामना करना पड़ा था। वहीं, चालक दल ने सक्रियता दिखाते हुए अलर्ट कॉल दिया था, जिससे पुल की ओर बढ़ते लोगों को रोक लिया गया था।

राष्ट्रपति ने की थी चालक दल की तारीफ–अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस बात की पुष्टि की थी कि टक्कर से पहले जहाज के चालक दल ने चेतावनी जारी कर दी थी, जिससे कई लोगों की जान बचाई जा सकी। उन्होंने कहा था, जहाज पर मौजूद कर्मचारियों को जैसे ही महसूस हुआ कि उन्होंने जहाज पर नियंत्रण खो दिया है। उन्होंने तुरंत मैरीलैंड परिवहन विभाग को सतर्क कर दिया। जानकारी मिलते ही स्थानीय अधिकारियों ने पुल पर यातायात बंद कर दिया, जिससे निसंदेह लोगों की जान बच गई।

एनिमेटेड वीडियो किया साझा–बाइडन के तारीफ करने के एक दिन बाद अमेरिका की एक वेबकॉमिक ने इस घटना को दर्शाने वाला एक कार्टून साझा किया। एनिमेटेड वीडियो में डरे हुए और केवल लुंगी पहने पुरुषों को दिखाया गया है। इसमें अस्त-व्यस्त पुरुषों को दुर्घटना से बचने की तैयारी करते हुए दिखाया गया है। फॉक्सफोर्ड कॉमिक्स ने वीडियो साझा करते हुए एक्स पर लिखा, डाली के अंदर से अंतिम पलों की मिली रिकॉर्डिंग। इस वीडियो में चालक दल भारतीय लहजे में एक दूसरो को अंग्रेजी में गाली देते सुनाई दे रहे हैं।

सोशल मीडिया पर हो रही आलोचना–कार्टून सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसे अब तक 42 लाख लोग देख चुके हैं। हालांकि, अब फॉक्सफोर्ड कॉमिक्स की भारतीयों के रंगभेदी चित्रण और जहाज के चालक दल की क्षमता को कम आंकने के लिए जमकर आलोचना हो रही है।

वहीं एक यूजर पूजा सांगवान ने कार्टून की निंदा की और कहा कि यह शर्मनाक है कि लोग दुखद घटना के लिए भारतीय चालक दल का मजाक उड़ा रहे हैं। इस बीच राज्यपाल ने खुद चालक दल की प्रशंसा की। कार्टून को साझा करते हुए, भारतीय अर्थशास्त्री संजीव सान्याल ने लिखा कि घटना के समय जहाज को एक स्थानीय पायलट द्वारा चलाया जा रहा था। उन्होंने कहा, जिस समय जहाज पुल से टकराया था, उस समय उसमें एक स्थानीय पायलट रहा होगा। किसी भी मामले में, चालक दल ने अधिकारियों को चेतावनी दी थी, जिसकी वजह से कई जानें बचाई जा सकीं। मेयर ने भारतीय चालक दल को हीरो बताया है और उनका धन्यवाद किया है।

न्यूज ब्रीफ

जरदारी ने शरीफ का तोड़ा रिकॉर्ड, बेटी आसिफा के चुने जाने से एक ही परिवार में हुए छह सांसद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजनीति काफी दिलचस्प बनी हुई है। कभी चुनाव में धांधली के आरोप तो कभी

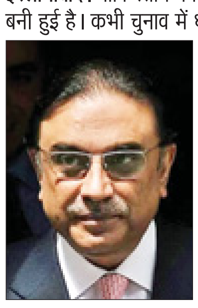

दो पार्टियों का गठबंधन कर लेना। इन सबके बीच राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के परिवार ने एक नया रिकॉर्ड बना लिया है। दरअसल, आसिफ अली और दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की सबसे छोटी बेटी आसिफा को निर्विरोध संसद सदस्य चुने जाने के बाद जरदारी ने शरीफ को पीछे छोड़ते हुए पाकिस्तान की राजनीति में एक परिवार से सबसे अधिक सांसद होने का रिकॉर्ड कायम किया है। कहा जा रहा है कि बेनजीर भुट्टो की बेटी आसिफा भुट्टो देश की प्रथम महिला की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। यह पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार है कि किसी स्थायी राष्ट्रपति की पत्नी को नहीं, बल्कि बेटी को यह औपचारिक उपाधि दी जाएगी। 31 साल की आसिफा भुट्टो पाकिस्तान की पहली महिला प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो और देश के एकमात्र दो बार राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की सबसे छोटी बेटी हैं। पिछले दशक में आसिफा ने प्रभावशाली भुट्टो-जरदारी परिवार में राजनीतिक सफलता की कई सीढ़ियां चढ़ी हैं। वह राष्ट्रपति जरदारी और अपने भाई बिलावल भुट्टो के बाद परिवार की तीसरी सबसे प्रभावशाली राजनीतिक चेहरा हैं। आसिफा ने उपचुनाव के लिए सिंध प्रांत के शहीद बेनजीराबाद (पूर्व में नवाबशाह) इलाके से नेशनल असेंबली सीट एनए-207 के लिए नामांकन पत्र भरा था। क्षेत्र के निर्वाचन कार्यालय द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, आसिफा को निर्विरोध चुना गया, क्योंकि उनके खिलाफ नामांकन दाखिल करने वाले तीन उम्मीदवारों ने मुकाबले से अपना नाम वापस ले लिया।

तुर्की पर इजराइल को हथियार देने के आरोप पर मचा बवाल

गाजा। फिलिस्तीन और मुस्लिम दुनिया के मसीहा समझे जाने वाले तुर्की राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन पर गंभीर आरोप लगे हैं। तुर्की की एक ट्रेड रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि तुर्की ने युद्ध के दौरान इजराइल को हथियार बेचे हैं। मीडिया आउटलेट 'द क्रैडल' ने 'ट्रेंडिंग इकोनॉमिक्स' की एक रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए लिखा कि जनवरी में देश ने इजराइल को कीमती मेटल, केमिकल, कीटनाशकों, परमाणु रिएक्टर पार्ट्स, बारूद, विस्फोटक, विमान के हिस्सों, हथियारों और गोला-बारूद सहित करीब 319 मिलियन डॉलर का सामान निर्यात किया। तुर्की के मुख्य स्वतंत्र फैक्ट चेक आउटलेटों में से एक टेयिट हक्किंडा के फैक्ट चेकर ओयकुम हुमा केस्किन ने कहा कि एक्सपोर्ट डेटा रिपोर्ट के झूठे होने का दावा गलत है। उन्होंने कहा जब हमने इस रिपोर्ट की जांच की तो पता चला है कि 2024 के पहले तीन महीनों में इजराइल को 'बारूद और विस्फोटक' निर्यात किए गए हैं। खबरों के मुताबिक ट्रेड तुर्की की इंडिपेंडेंट इंडस्ट्रियलिस्ट्स एंड बिजनेसमैन एसोसिएशन से जुड़ी कंपनियों ने किया है, जिनको देश में राष्ट्रपति एर्दोआन का समर्थन करने के लिए जाना जाता है। रिपोर्ट के बाहर आने के बाद सोशल मीडिया पर तुर्की राष्ट्रपति के खिलाफ भूचाल आ गया है। फिलिस्तीन समर्थकों ने इजराइल के साथ हथियारों के व्यापार को फिलिस्तीनियों के 'पीठ में छुरा घोंपने' जैसा करार दिया है। सोशल मीडिया पर लोगों ने तुर्की और एर्दोआन के खिलाफ गुस्सा जाहिर किया है। मामले के तूल पकड़ने के बाद तुर्की को सफाई देनी पड़ी है। तुर्की की डिफेंस मिनिस्ट्री ने बयान में कहा, तुर्की हमेशा से फिलिस्तीन का समर्थक रहा है।

रिपोर्ट में खुलासा : बच्चों के लिए असुरक्षित हो रही ऑनलाइन दुनिया, हर छठा बच्चा साइबरबुलिंग का शिकार

वाशिंगटन। दुनिया के 44 देशों में हर छठा बच्चा साइबरबुलिंग का शिकार है। धीरे-धीरे ऑनलाइन की दुनिया बच्चों के लिए असुरक्षित होती जा रही है। यूरोप, मध्य एशिया और उत्तरी अमेरिका में 279,000 बच्चों पर हुए अध्ययन में यह बात सामने आई है। इसके मुताबिक, हर महीने 15 फीसदी बच्चे और 16 फीसदी बच्चियां साइबरबुलिंग का शिकार हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2022 में 11 से 15 साल के 16 फीसदी बच्चे साइबरबुलिंग के शिकार हुए, जो कि 2018 की तुलना में 3 फीसदी अधिक है। वहीं, चार साल पहले ये आंकड़े 13 प्रतिशत थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक ताजा रिपोर्ट ने यह चिंताजनक स्थिति बताई है। रिपोर्ट के मुताबिक बच्चे रोजाना 6 घंटे ऑनलाइन समय बिता रहे हैं, ऐसे में साइबर बुलिंग बच्चों पर बढ़ा असर डाल सकती है। अध्ययन में सबसे अधिक साइबरबुलिंग बुल्गारिया में दर्ज की गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि माता-पिता की सामाजिक स्थिति का बच्चों के साइबर बुलिंग को लेकर कोई बदलाव नहीं देखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक, लॉकडाउन के दौरान बच्चों और किशोरों की दुनिया तेजी से वर्चुअल होती गई।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन का दावा

जी20 में जिस भी देश के नेता से मिले सभी ने कहा- डोनाल्ड ट्रंप को जीतने नहीं दे सकते

वॉशिंगटन।
अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। इस पद के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक दूसरे को कड़ी टक्कर देते दिखाई दे रहे हैं। दोनों नेताओं के बीच वार-पलटवार का दौर जारी है। अब बाइडन ने दावा किया है कि भारत में हुए जी20 समेत कई बैठकों में दुनियाभर के नेताओं ने उनका समर्थन किया है। साथ ही उनसे यह भी कहा कि वह आगामी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को नहीं जीतने दे सकते हैं।

विश्व नेताओं का कहना- उनका लोकतंत्र दांव पर–उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रपति बाइडन ने न्यूयॉर्क में अपने चुनाव प्रचार के दौरान एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि विश्व के नेता हमेशा कहते हैं कि उनका लोकतंत्र दांव पर है। उन्होंने कहा, भारत में जी20 बैठक हो या किसी अन्य देश में हुई बैठक, जब भी दुनिया भर के नेता जुटते हैं तो वो यही कहते हैं कि आप उन्हें (ट्रंप) जीतने नहीं देंगे।

मैं बढ़ा- चढ़ाकर नहीं बता रहा–उन्होंने कहा, आपको लग रहा होगा कि मैं बढ़ा- चढ़ाकर बता रहा हूं, पर ऐसा नहीं है। मैं बिना नाम लिए पत्रकारों को बता सकता हूं कि करीब सभी देशों के नेता मुझसे यह बात कह चुके हैं। दुनिया भर से आए नेता मुझसे हाथ मिलाते हुए कहते हैं कि देश का लोकतंत्र दांव पर है। उन्होंने आगे कहा, मैं यही कहूंगा कि यह एक अतिशयोक्ति नहीं है। इसके बारे में सोचिए। यह एक ऐसा शख्स है, जो नाटो से दूर हो गया है।

अमेरिका के साथ क्या हो रहा है–राष्ट्रपति बाइडन ने ट्रंप के उस अपने बयान पर भी प्रकाश डाला, जिसमें कहा गया है कि वह रूस को उन देशों के साथ जो कुछ भी करना चाहता है उसे करने के लिए प्रोत्साहित करेगा जो रक्षा पर अपने सकल घरेलू उत्पाद का दो प्रतिशत खर्च नहीं करते हैं। बाइडन ने कहा, बस आप देखो कि उन्होंने क्या किया है। बाकी दुनिया सोच रही है कि अमेरिका के साथ क्या हो रहा है। हालांकि वह राहत महसूस कर रहे हैं, इसलिए नहीं कि मैं बहुत खास हूं, बल्कि इसलिए कि मैं ट्रंप नहीं हूं। मैं गंभीर हूं। काश ऐसा इसलिए ही होता क्योंकि उन्हें लगता कि बाइडन इतने गंभीर व्यक्ति हैं।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि वे मेरा सम्मान करते हैं। मुझे लगता है कि वे मेरी बात सुनते हैं। लेकिन मुद्दा यह है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि अगर वह (ट्रंप) फिर से जीतते हैं तो वे अपने देशों के लिए मौत से डरते हैं।

ट्रंप ने यह कहा था – अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान नाटो सदस्य देशों पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने दो टूक लहजे में कहा था कि अमेरिका नाटो के उन सहयोगियों का बचाव नहीं करेगा, जो रक्षा पर पर्याप्त खर्च नहीं करते हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि वे रूस को उन देशों पर हमला करने के लिए प्रोत्साहित भी करेंगे।

ऐसे में नाटो सदस्य देशों में खलबली मच गई है। वर्तमान में नाटो के 31 सदस्य देश हैं। जल्द ही स्वीडन भी नाटो का 32वां सदस्य बन जाएगा। अब तक नाटो में शामिल होने को रक्षा की गारंटी के रूप में देखा जाता रहा है।

निक्की हेली पहले ही राष्ट्रपति पद की रेस से बाहर होने की घोषणा कर चुकी हैं

अमेरिका में इस साल नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने के लिए रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी के चुनाव चल रहे हैं। इसी बीच निक्की हेली ने रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के लिए नॉमिनेशन की रेस से खुद को अलग कर लिया है। अब पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रिपब्लिकन पार्टी की ओर से एकमात्र उम्मीदवार रह गए हैं। निक्की हेली ने राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने की घोषणा करते हुए कहा कि अब मेरे चुनावी अभियान को खत्म करने का समय आ गया है। मैंने कहा था कि मैं चाहती हूं कि अमेरिकियों की आवाज सुनी जाए। मैंने ऐसा किया है। इसके लिए मुझे कोई भी पछतावा नहीं है। हालांकि कहा जा रहा है कि निक्की हेली ने सुपर ट्यूसडे के मुकाबलों में वर्मोंट को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में मिली हार के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से बाहर होने का फैसला लिया है। निक्की ने अपने संबोधन के दौरान ट्रम्प का समर्थन करने से इनकार कर दिया। हालांकि उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से रिपब्लिकन और निर्दलियों का समर्थन लेने का आग्रह किया, जिन्होंने पहले उनका समर्थन किया था। निक्की ने कहा कि अब यह डोनाल्ड ट्रंप पर निर्भर है कि वे हमारी पार्टी और उससे बाहर के लोगों के वोट हासिल करें, और मुझे आशा है कि वह ऐसा करेंगे। बता दें कि सुपर ट्यूसडे के चुनाव परिणामों के बाद 77 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप ने प्रतिनिधि संख्या में अपनी एकमात्र रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली पर मजबूत बढ़त बनाई थी। ट्रंप ने टेक्सास, कैलिफोर्निया और 11 अन्य राज्यों में जीत हासिल की थी, हालांकि निक्की हेली ने सिर्फ वर्मोंट में जीत हासिल की थी। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के नामांकन को जीतने के लिए दोनों उम्मीदवारों में से किसी एक को 1,215 प्रतिनिधियों की जरूरत होती है, जो प्राइमरी के दौरान चुने जाते हैं। सुपर ट्यूजडे के बाद ट्रंप के पास 244 प्रतिनिधि थे, जबकि हेली के पास सिर्फ 86 डेलीगेट्स का समर्थन था। 2017 से 2018 तक ट्रम्प के मंत्रिमंडल में काम करने वाली निक्की हेली फरवरी 2023 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ चुनौती देने वाली पहली रिपब्लिकन के रूप में सामने आईं थीं।

सीरिया के अलेप्पो में इजराइली सेना ने किया भीषण हमला, हिजबुल्लाह कमांडर समेत 42 की मौत

अलेप्पो।
गाजा में युद्ध के बीच इजराइल ने सीरिया के अलेप्पो प्रांत में भीषण हवाई हमले किए, जिसमें लेबनानी आतंकी समूह हिजबुल्लाह के कमांडर सहित 42 लोग मारे गए हैं। इजराइल-हमास युद्ध के बाद सीरिया में इजराइल का यह सबसे भीषण हमला बताया जा रहा है। 2011 में गृहयुद्ध छिड़ने के बाद से इजराइल ने सीरिया में सैकड़ों हवाई हमले किए हैं, जिसमें सेना की चौकियों के साथ-साथ हिजबुल्लाह और फलस्तीनी समूह हमास सहित ईरान समर्थित बलों को निशाना बनाया गया है। सात अक्तूबर को हमास और इजराइल के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से सीरिया में इजराइली सेना के हमलों में वृद्धि हुई है। इजराइल ने 24 घंटों में इस तरह का दूसरा भीषण हमला किया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने अलेप्पो हवाई अड्डे के पास लेबनानी आतंकी संगठन हिजबुल्लाह के एक रॉकेट डिपो को निशाना बनाया। जिसमें हिजबुल्लाह के छह लड़ाकों सहित 42 लोग मारे गए। मारे गए लोगों में कथित तौर पर सीरियाई सेना के 36 सैनिक शामिल हैं। सीरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी सना ने सैन्य सूत्र के हवाले से बताया कि इजराइली सेना ने अलेप्पो के दक्षिण-पूर्व में हवाई हमला किया। जिसमें आम नागरिक और सैन्यकर्मी हताहत हुए हैं। हालांकि, इजराइली सेना ने हवाई हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अलेप्पो प्रांत में अन्य जगहों पर ईरान समर्थक समूहों द्वारा नियंत्रित हथियार बनाने वाली फैक्टरियों को निशाना बनाकर भी हमले किए गए।

सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इजराइल ने एलेप्पो के दक्षिणी हिस्सों में हवाई हमले किए। इनमें बड़ी संख्या में सैनिक, आम नागरिक व हिजबुल्ला के पांच लड़ाके मारे गए, जिनमें एक स्थानीय कमांडर भी शामिल था। ईरान और उसके समर्थकों ने अलेप्पो व राजधानी दमिश्क सहित पूरे सीरिया में जड़ें जमा ली हैं।

इजराइली रक्षा बलों ने हमास व फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद के खिलाफ अभियान जारी रखने की चेतावनी दी, जो खान यूनिस के शिफा अस्पताल में छुपे हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि 18 मार्च से अस्पताल परिसर में शुरू किए गए अभियान में अब तक 200 आतंकी मारे जा चुके हैं।

युद्धग्रस्त गाजा से इजराइली सैनिकों की कुछ शर्मनाक तस्वीरें व वीडियो सामने आए हैं। इनमें कुछ इजराइली सैनिक फलस्तीनी महिलाओं के अंत: वस्त्रों व पुतलों से खिलवाड़ करते दिखाई दे रहे हैं।

कनाडा में गिरफ्तार हुई पाकिस्तान की सरकारी एयरलाइन की क्रू सदस्य, अब झेलना पड़ा निलंबन, जानें क्या है वजह

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) ने अपने चालक दल की एक क्रू सदस्य को निलंबित कर दिया है। सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि निलंबन के बाद उन पर कड़ी कार्रवाई करने की भी तैयारी हो रही है। दरअसल हिना सानी पर आरोप था कि उन्होंने बिना किसी वजह एक व्यक्ति का पासपोर्ट अपने पास रखा, जो कि गैर कानूनी है। इसके बाद कनाडा के कस्टम विभाग के अधिकारियों ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। यह घटना ऐसे समय में घटित हुई है, जब पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस क्रू सदस्यों की कमी की समस्या से जूझ रहा है।

क्यों हिरासत में लिए गए क्रू सदस्य

हिना सानी को क्रू टीम की दो अन्य सदस्यों के साथ कनाडा में हिरासत में लिया गया था। ये सभी लोग लाहौर से टोरंटो जाने वाली फ्लाइट पीके-789 पर ड्यूटी पर थे। इस दौरान उन्होंने किसी और का पासपोर्ट अपने पास रखा था। विदेश यात्रा के दौरान दूसरे व्यक्ति का पासपोर्ट ले जाना अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। इसके बाद तीनों को हिरासत में ले लिया गया हालांकि इसके बाद उन्हें हिरासत से छोड़कर वापस पाकिस्तान जाने की अनुमति दे दी गई।

कड़ी कार्रवाई की तैयारी

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस प्रबंधन ने सानी को निलंबित तो कर दिया लेकिन अब उन पर कार्रवाई की भी तैयारी हो रही है। पीआईए प्रवक्ता अब्दुल्ला हफीज खान ने बताया कि वह कनाडा के प्राधिकारियों की जांच रिपोर्ट के अनुरूप आगे की कार्रवाई करेगा। इस मामले में पीआईए प्रबंधन कनाडा के प्राधिकारियों के संपर्क में है और उनका सहयोग कर रहा है। जांच रिपोर्ट के बाद निलंबित चालक दल की सदस्य के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हफीज खान ने आगे बताया कि तीनों क्रू मेंबर पाकिस्तान लौटेंगी।

मुश्किल से जूझ रही है पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस

पीआईए की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले डेढ़ साल में कम से कम आठ फ्लाइट अटेंडेंट काम छोड़कर चले गए हैं। बताया जाता है कि सभी ने नौकरी छोड़कर कनाडा में शरण ली है। प्रवक्ता ने कहा कि ये घटनाएं पिछले 10 वर्षों से लगातार देखने को मिल रही हैं। हाल ही में ऐसे मामलों में ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो को सुप्रीम कोर्ट से झटका इजराइल जाने के लिए पासपोर्ट लौटाने की थी मांग

ब्राजिलिया।
ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो को एक बड़ा झटका दिया है। अदालत ने उनके वकीलों के उस अनुरोध को खारिज कर दिया है, जिसमें मांग की गई थी कि बोलसोनारो का पासपोर्ट वापस लौटा दिया जाए ताकि वह इजराइल की यात्रा कर सकें।

इसलिए जाना था इजराइल–बोलसोनारो के वकील ने कहा था कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बोलसोनारो को मई में होने वाले एक कार्यक्रम के लिए निमंत्रण किया है। इसलिए पूर्व राष्ट्रपति का पासपोर्ट लौटा दिया जाए।

जिस पर जांच चल रही...– अभियोजक जनरल के कार्यालय ने पहले अपनी राय में कहा था कि बोलसोनारो का पासपोर्ट देश छोड़ने से रोकने के लिए लिया गया था। इसी को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति एलेक्जेंडर डी मोरेस ने कहा कि जिस शख्स पर जांच चल रही है उस पर समय से पहले प्रतिबंध हटाना सही नहीं है।

इसलिए जब्त किया गया है पासपोर्ट – गौरतलब है, संघीय पुलिस ने छापेमारी कार्रवाई कर पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो का पासपोर्ट फरवरी में जब्त कर लिया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने और शीर्ष अधिकारियों ने 2022 के चुनाव परिणामों की अनदेखी करने और पराजित नेता को सत्ता में रखने के लिए विद्रोह करने की साजिश रची थी।

राष्ट्रपति चुनाव में बोलसोनारो को मिली थी हार – ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव साल 2022 में अक्तूबर में हुए थे। इस राष्ट्रपति चुनाव में बोलसोनारो को हार मिली थी। चुनाव में लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा के नेतृत्व में वामपंथी पार्टी ने जीत हासिल की थी। लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने तीसरी बार ब्राजील के राष्ट्रपति पद की शपथ ली। इसके बाद बोलसोनारो के समर्थकों ने चुनाव नतीजे मानने से इनकार कर दिया था। कट्टरपंथी बोलसोनारो के समर्थक ब्राजील में सेना के ठिकानों के बाहर प्रदर्शन करते हुए सैन्य हस्तक्षेप की मांग कर रहे थे। काफी हंगामा और तोड़फोड़ हुई थी।

अमेरिकी यूट्यूबर को गिरोह सरगना का इंटरव्यू लेने की कोशिश पड़ी महंगी, हैती में हुआ अपहरण

वॉशिंगटन।
अमेरिका के एक फेमस यूट्यूबर को हैती में एक कुख्यात गिरोह लीडर का इंटरव्यू लेने की कोशिश करना महंगा पड़ गया। खुद को हैती का शासक बताने वाले एक गिरोह ने एडिसन पियरे मालौफ का कथित तौर पर अपहरण कर लिया है। अब यूट्यूबर को छोड़ने के बदले बड़ी रकम मांग रहा है। बता दें, मालौफ योरफेलोअरब और अरब के नाम से भी मशहूर हैं।

जिमी बारबेक्यू का इंटरव्यू लेना चाहता था

जॉर्जिया के रहने वाले यूट्यूबर एडिसन पियरे मालौफ हैती के सबसे कुख्यात गिरोह के सरगना जिमी बारबेक्यू चेरिजियर का इंटरव्यू लेने के लिए हिंसाग्रस्त देश पहुंचे थे। 14 मार्च को अमेरिकी यूट्यूबर के हैती पहुंचने के ठीक 24 घंटे बाद उनको एक सहयोगी के साथ 400 मावोजो गिरोह के सदस्यों ने पकड़ लिया।

छह लाख डॉलर की फिरौती

एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी यूट्यूबर का अपहरण छह लाख डॉलर की फिरौती के लिए किया गया है। उनको छोड़ने के बदले 40 हजार डॉलर पहले ही दिए जा चुके हैं।

इसलिए फेमस हैं मालौफ

बता दें कि मालौफ के यूट्यूब पर 1.4 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उन्हें उनके खतरनाक कारनामों की वजह से जाना जाता है। दरअसल, वह ऐसी खतरनाक जगहों की खोज के लिए प्रसिद्ध हैं, जहां आमतौर पर कोई नहीं जाता है।

अरब के साथी ने पुष्टि की

मालौफ के अपहरण की जानकारी सोशल मीडिया पर आग की तरह फैलने लगी। इस पर उनके साथी लालेम ने इस बात की पुष्टि की कि उनके दोस्त का अपहरण कर लिया गया है। लालेम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, दो हफ्ते तक इस जानकारी को बाहर नहीं आने की कोशिश की। हालांकि अब यह खबर हर जगह फैल रही है। हां, यह सच है कि अरब का हैती में अपहरण कर लिया गया है और हम उसे सुरक्षित वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं।

आखिरी वीडियो आया सामने

लालेम ने यूट्यूबर मालौफ का एक आखिरी वीडियो भी साझा किया। इस वीडियो में अरब हैती के एक होटल में दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वह कहते दिखे कि उनका और उनकी टीम का इरादा राजधानी शहर पोर्ट-औ-प्रिंस जाने का था। लेकिन उन्हें सुबह होने तक इंतजार करना पड़ेगा। उन्होंने यह भी बताया कि पोर्ट-औ-प्रिंस पूरी तरह से गिरोहों द्वारा चलाया जाता है, फिर भी उन्होंने वहां जाने का ठान लिया है। अमेरिकी यूट्यूबर मालौफ ने 10 मार्च को पोस्ट किया था, अगर मैं मर गया, तो मैंने अबतक जो भी दिखाया है उसे देखने के लिए धन्यवाद। अगर मैं जीवित रहा, तो भगवान का शुक्रिया।

एक और साथी का हुआ है अपहरण

वहीं, एक अन्य यूट्यूबर माइल्स लॉर्ड माइल्स रूटलेज ने दावा किया कि उसने अपहरण किए गए स्ट्रीमर से बात की थी। राउटलेज ने कहा कि मालौफ शॉन रूबेंस जीन सैक्रा नाम के एक फिक्सर के साथ यात्रा कर रहे थे। उनका भी अपहरण कर लिया गया है। उन्होंने कहा, अरब को राजधानी के पूर्वी बाहरी इलाके पोर्ट-औ-प्रिंस में एक पिंजरे में रखा गया है।